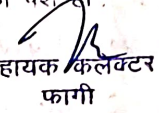


फर्द अहकाम

न्यायालय सं. १ गका ५ लक्कर फागी

गनी या बनाम भाइ या

मुकदमा संख्या / वर्ष : ५५ / २०२५७८

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	०९/१०/२५	<p>पत्रावली पेश की। वकील पक्षकारान उपस्थित/पेश करनेवाला पत्रावली दिनांक २१/१०/२५ को पेश की।</p> <p style="text-align: center;">  सहायक कलेक्टर फागी </p> <p>२१/१०/२५ पत्रावली पेश। वकील पक्षकार उपो वकील अ. प्रार्थी सं० १७, १८ व अवाक प्रार्थी - पत्र सं० प्रार्थी - पत्र १५१। CPC पेश किया। अवाक प्रार्थी व प्रार्थी १५१ CPC की प्रति वकील प्रार्थी को मिलवाकर शामिल किया गया। वकील प्रार्थी व प्रार्थी १५१ CPC को अवाक वकील देकर सीपी बहस करके का विवेचन किया। बहस उभयपक्ष से की। वकील प्रार्थी/अप्रार्थी सं० १७, १८ व अपनी बहस में लवाया की भावनाय न्यायालय का संवर्धन आदेश ही से प्रार्थी/अप्रार्थी सं० १७, १८ के विरुद्ध पत्र दिनांक २२/५/२०१३ का नामानुकरण वही धुल पा रहा है।</p> <p>प्रार्थी १५१ CPC पर वकील उभय पक्ष की बहस पर मकर व पत्रावली, पत्रावली पर उपलब्ध पत्रावली का अपीलान पर प्रार्थी १५१ CPC से पत्रावली उभय पक्ष को मिलाने का है।</p> <p>अतः प्रार्थी १५१ CPC से पत्रावली प्रार्थी है। पूर्व में जारी संवर्धन आदेश दिनांक २५/६/२०२५ से अप्रार्थी सं० १७</p>	

सहायक कलेक्टर
 फागी, जयपुर

गस्ती यां अलाम बाधु यां.
 नाम बाधुलम :- अलम फागी
 मुंबई :- 54/2024 गा. 2

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>सुमिनी दीपशिखा यां दीपमधु अफागी सं. 18, सुमिनी अफागी यां पुत्रीलाल के पत्र हिंसे का विस्तृत रूप वि. प्र. पत्र दि. 22/4/2013 का आमात्र प्रमाण थीलक कि हफ्तक अपास्त किया जाता है, शेष रक्षक अफागी यथावत रहता। व फागी उभयपक्ष की प्राथमिक - पत्र गा. 2 पर चरक सुनी जाय।</p> <p>बहरस सुवर्ण व पत्रावली के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि मुल वप वफास्मा रक्षक विशेषाज्ञा से संबंधित है, जो कि निस्कारण के अंतिम स्वरुप है, इसी दिवस में वप वधुलता व फिल हता या वदें रक्षक हत उभयपक्ष की मुल वप के निस्कारण वक गीको व फिसाई कि यथाविधान रक्षक रक्षक से निय पावना किया जाता है। प्राथमिक - पत्र अरक्षक विशेषाज्ञा रक्षक वारक वारक के फागी में सुमार हीकर पत्र व रक्षक से फाम हीरे।</p>

सहायक कलक्टर
 फागी, जयपुर